सक्सेस मिरर

वर्ष : 11
अंक : 121
फरवरी : 2020

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | सम्पादकीय
8 | समसामयिकी घटना संग्रह
9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई ने पाँचवीं द्विमासिक मौद्रिक नीति, 2019-20 जारी की
- उत्तर प्रदेश के तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का एकीकरण
- ADB ने भारत की जीडीपी दर पूर्वानुमान में की कटौती
- अटल भूजल योजना (अटल जल)
- भारतीय रेल की प्रशासनिक व्यवस्था की पुनर्संरचना

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी
- संसद ने एसपीजी (संशोधन) विधेयक, 2019 पारित किया
- भारत निर्वाचन आयोग और मालदीव चुनाव आयोग में समझौता

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत जलवायु प्रदर्शन सूचकांक में पहली बार शीर्ष 10 में शामिल
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट-2019
- भारत ने की 'किंबर्ले प्रक्रिया प्रमाणन योजना' की मेजबानी
- विश्व प्रतिभा सूचकांक, 2019 जारी
- डोनाल्ड ट्रम्प यूएस इतिहास में महाभियोग चलाए जाने वाले तीसरे राष्ट्रपति

31 | खेल खिलाड़ी

- खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2020
- वनडे अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 2 हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज
- वसीम जाफर सर्वाधिक रणजी मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटर
- U-15 एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप, 2019

35 | विज्ञान समाचार
37 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह
40 | समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
43 | राजस्थान : वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

लेख

45 | **प्रौद्योगिकी लेख**—कार्टोसैट-अन्तरिक्ष में भारत की आँख
46 | **सामाजिक लेख**—आरक्षण : एक विचारणीय मुद्दा
48 | **कृषि लेख**—फ्लोरीकल्चर में कॅरियर
49 | **ऊर्जा लेख**—भविष्य का ईंधन : हाइड्रोजन
50 | **कृषि लेख**—कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करते समय ध्यान देने योग्य बातें
69 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
70 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-118 का परिणाम**
71 | **रोजगार अवसर**
73 | **अर्द्धवार्षिकी : समसामयिक घटनाएँ**—जुलाई 2019 से दिसम्बर 2019 तक

हल प्रश्न-पत्र

52 | एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तरीय (प्रथम चरण) परीक्षा, 2018
61 | राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–2531101, 2530966
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844, 43259035

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
मो– 09370877776

सम्पादकीय

शक्ति के सदुपयोग द्वारा सफलता के प्रति आश्वस्त बनें

प्रयत्न करने के उपरान्त हमको जब अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं हो पाती है, तब हम अपने भाग्य को अथवा अपने सहयोगियों को कोसने लगते हैं. हम भूल जाते हैं कि जीवन में सफल होने के लिए शक्ति, सामर्थ्य अथवा क्षमता अपेक्षित होती हैं, परन्तु इनके अतिरिक्त एक ऐसी वस्तु है जिसके अभाव में हमारी शक्तियाँ, क्षमताएं आदि अपेक्षित परिणाम नहीं देती हैं. वह वस्तु है हमारी सक्षम कार्य-शक्ति यानी शक्ति के अधिकतम उपयोग की क्षमता का अभाव अथवा हमारी कार्य-पद्धति का कोई दोष.

देव दुर्लभ मनुष्य योनि में शारीरिक मानसिक तथा आत्मिक शक्तियों का अतुल एवं अक्षय भण्डार समाहित रहता है, क्योंकि वह ब्रह्मा का अंश कहा जाता है, तथा उसके विकास की कोई सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है. हम अनेकानेक प्रलोभनों एवं तात्कालिक लाभों के वशीभूत होकर अपनी शक्तियों का दुरुपयोग एवं क्षय करते रहते हैं. फलतः हमारी सफलता का प्रतिशत कम हो जाता है. किसी कार्य को करने के पहले यदि हम उसको सम्पन्न करने की पद्धति को नियोजित कर लिया करें, तो हमारे समय के साथ हमारी शक्ति में भी बचत हो जाए. हमारे कुछ युवक-युवतियाँ सामूहिक अध्ययन की त्रुटिपूर्ण पद्धति को अपनाकर अपनी शक्ति का प्रायः दुरुपयोग करते हुए देखे जाते हैं. परस्पर विचार-विनिमय करना एक बात है और एक साथ बैठकर अनावश्यक विवाद करना सर्वथा भिन्न बात है. प्रत्येक व्यक्ति की समझदारी का एक निजी स्तर होता है. व्यक्ति को उसी के अनुरूप अध्ययन, मनन, परामर्श आदि करके विषय को हृदयंगम करना चाहिए. सामूहिक अध्ययन के मध्य कभी-कभी अनुचित साधनों के प्रयोग की भी योजना बनते देखी जा सकती है तथा अस्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा की मानसिकता के भी दर्शन हो जाते हैं. इस प्रकार के वातावरण से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को सरलतापूर्वक सुरक्षित रखा जा सकता है.

युवावस्था में ऊर्जा पूर्ण प्रकर्ष पर होती है. उस समय घटक साहस एवं आत्म-विश्वास से परिपूर्ण होता है. इस अवस्था में व्यक्ति अपनी शक्ति एवं अपनी क्षमताओं की अभिव्यक्ति एवं उनके प्रदर्शन के प्रति उत्सुक रहता है. फलतः युवक-युवतियों में अहंकार के अंकुर उत्पन्न हो जाते हैं और वे उच्छृंखलता की सीमा का स्पर्श करते हुए देखे जाते हैं. यह स्थिति सुनिश्चित रूप से शक्ति के दुरुपयोग का द्योतन करती है. जो शक्ति अथवा ऊर्जा सकारात्मक उपयोग के लिए होती है, उसका उपयोग नकारात्मक पद्धति पर किया जाता है. शक्ति का क्षय अथवा उसका दुरुपयोग हमारी सफलता की सम्भावनाओं को इसी अनुपात में कम कर देता है. उच्छृंखलता का प्रदर्शन प्रायः सस्ती लोकप्रियता एवं क्षणिक वाहवाही प्राप्त करने की दृष्टि से किया जाता है. समय अथवा काम निकल जाने पर सब तमाशबीन किनारा कर जाते हैं. तब समझ में आता है कि हमने कितनी भारी गलती की. अतएव महत्वाकांक्षी युवा वर्ग को उस वर्ग के व्यक्तियों की पहचान रखनी चाहिए "लो चढ़जा बेटा सूली पर भली करेंगे राम" की नीति अपनाकर उनका शोषण करने के अवसर ढूँढ़ते रहते हैं. इतिहास साक्षी है कि शक्ति एवं सामर्थ्य का दुरुपयोग करने वाले बड़े से बड़े व्यक्ति को अन्ततः पश्चाताप करना पड़ा है. डिमोस्थनीज ने ठीक ही कहा है कि "अन्याय, असत्य और कपट की नींव पर स्थायी शक्ति स्थापित करना असम्भव है."